

इसी कारण होता है, जैसे- हिनहिनाना, छटपटाहट आदि।

**अव्यग्र वि.** (तत्.) जो व्यग्र अथवा व्याकुल या घबराया हुआ नहीं हो, शांत, धीर।

**अव्यथ वि.** (तत्.) व्यथा से रहित, बिना कष्ट वाला।

**अव्यथित वि.** (तत्.) 1. जो व्यथित न हुआ हो 2. जिसको कष्ट या पीड़ा न हो।

**अव्यपदेश्य वि.** (तत्.) 1. जिसका व्यपदेशन अर्थात् वर्णन न किया जा सके 2. जिसको शब्दों में व्यक्त न किया जा सके 3. जिसमें कोई परिवर्तन न हो सके 4. जिसका विकल्प प्रस्तुत न किया जा सके जैसे- ब्रह्म।

**अव्यपेत वि.** (तत्.) 1. जो व्यपेत अर्थात् अलग किया हुआ न हो, असमास, अपृथक्, अविच्छेद, अगत।

**अव्यभिचार पुं.** (तत्.) व्यभिचार या भ्रष्टाचार का अभाव, शुद्धाचरण, तत्त्वनिष्ठता, कृतज्ञता।

**अव्यभिचारी वि.** (तत्.) 1. जो सर्वथा मूल गुणधर्म के अनुसार रहे 2. सतत धर्मशील 3. सदाचारी।

**अव्यय वि.** (तत्.) 1. विकाररहित 2. अक्षय 3. नित्य, सतत रहने वाला पुं. 1. व्याकरण में वे शब्द जिनका रूप सभी लिंगों, सभी वचनों सभी विभक्तियों में एक सा रहे जैसे- 'अकस्मात्' 2. शिव 3. विष्णु 4. ब्रह्म 5. समृद्धि।

**अव्ययन पुं.** (तत्.) व्ययन अर्थात् अंतिम रूप से निपटान का अभाव, अंतिम निपटान न होने की स्थिति non-disposal

**अव्ययीभाव पुं.** (तत्.) 1. व्यय का अभाव, व्यय-हीनता, नाशहीनता 2. व्या. समास का एक भेद।

**अव्ययीभाव समास पुं.** (तत्.) समास का एक प्रकार जिसमें अव्यय शब्द संज्ञा से जुड़ते हैं और समस्त पद क्रियाविशेषण होता है, इसमें

प्रायः पूर्वपद प्रधान होता है जो या तो अव्यय होता है अथवा क्रिया-विशेषण, उदा. यथाशक्ति।

**अव्यर्थ वि.** (तत्.) 1. जो व्यर्थ न हो 2. अचूक 3. सफल, सार्थक 4. अमोघ विलो. व्यर्थ।

**अव्यलीक वि.** (तत्.) 1. जो व्यलीक या झूठा न हो, सच्चा, सत्य 2. प्रिय, अनुकूल।

**अव्यवधान पुं.** (तत्.) 1. बाधरहित, विघ्नहीनता 2. समय और दूरी के व्यवधान का न होना।

**अव्यवसाय पुं.** (तत्.) 1. व्यवसाय का न होना, व्यवसाय-रहित, उद्यम का अभाव 2. निरुद्यम वि. (तत्.) 1. व्यवसायशून्य, उद्यम शून्य 2. आलसी, निकम्मा विलो. व्यवसायी।

**अव्यवसायी वि.** (तत्.) 1. कामधंधा न करने वाला 2. प्रयत्न न करने वाला 3. संकल्पपूर्वक कार्य न करने वाला 4. आलसी, निरुद्योगी 5. जो व्यवसायी न हो 6. जो व्यावसायिक या धन लाभ के उद्देश्य से न किया गया हो, अव्यावसायिक, शौकिया।

**अव्यवस्था स्त्री.** (तत्.) 1. शांति और सुव्यवस्था का अभाव, उचित व्यवस्था का न होना, बड़बंताजमी 2. नियम के विरुद्ध काम होना 3. क्रम या पूर्वपरता का अभाव विलो. व्यवस्था।

**अव्यवस्थित वि.** (तत्.) 1. जो सुव्यवस्थित न हो 2. जिसकी व्यवस्था न हुई हो 3. मर्यादाहीन 4. अस्थिर विलो. व्यवस्थित।

**अव्यवहार्य वि.** (तत्.) 1. जो व्यवहार के योग्य न हो, जिसे व्यवहार में न लाया जा सके, जिस पर अमल न किया जा सके, अव्यावहारिक 2. पंक्तिच्युत विलो. व्यवहार्य।

**अव्यवहित वि.** (तत्.) 1. व्यधान रहित, एकदम साथ लगा हुआ, ठीक पहले का या ठीक बाद का 2. समक्ष, आसन्न, स्पष्ट।

**अव्यवहित वि.** (तत्.) 1. जिसका प्रयोग न हुआ हो 2. वर्तमान में अप्रयुक्त, अप्रचलित, पुरातन, काल बाह्य 3. वर्तमान परिवेश में अनुपयोगी